29. लघुकथा लेखन

कथा कहना, सुनना या लिखने की एक प्राचीन परंपरा रही है। बच्चों को लघुकथाएँ सुनना बहुत अच्छा लगता है। अत: हम सभी ने बचपन में अपने बड़ों से कथाएँ सुनी हैं। जीवन में घटित होने वाली या काल्पनिक घटनाओं का रोचक वर्णन करना ही लघुकथा कहलाता है।

शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को लघुकथा के बारे में विस्तार से समझाएँ।
- ❖ लघुकथा लेखन में ध्यान रखने योग्य बातों के बारे में बताएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ पर दिए गए लघुकथा लेखन के उद्देश्यों से अवगत कराएँ।
- ❖ लघुकथा के प्रकारों पर कक्षा में चर्चा करें।
- ❖ पाठ पृष्ठ 221-225 पर दिए गए लघुकथा के उदाहरणों को पढ़वाएँ तथा उनसे मिलने वाली सीख के बारे में भी पूछें।
- ❖ सुनिश्चित करें कि छात्र भली-भाँति लघुकथा के बारे में समझ रहे हैं।
- ❖ छात्रों को अपनी कल्पनाशक्ति से लघुकथा लिखने के लिए प्रेरित करें।
- ❖ विभिन्न विषयों से संबंधित चित्र दिखाकर लघुकथा लिखवाएँ।
- ❖ पाठ अभ्यास करवाएँ एवं उचित सहायता करें।